



Press Meet & Media Coverage



Report on 47th Foundation Day (30th August and 1st September 2023)



Compiled and Edited by:

Dr UK Maurya, Principal Scientist
DR SS Nimkhedkar, Chief Technical Officer
Mrs Rohini Watekar, Personal Secretary
Shri DK Dharam, Dy Director (OL)

Guidance by:

Dr NG Patil, Director

Photography:

Shri PV Ambekar
Chief Technical Officer

ICAR-National Bureau of Soil Survey & Land Use Planning

Amravati Road, Nagpur - 440033, Maharashtra

Press Note

ICAR-NBSS&LUP celebrates its 47th Foundation Day on 01.09.2023

ICAR- National Bureau of Soil Survey and Land Use Planning (ICAR-NBSS&LUP), Nagpur is celebrating its 47th Foundation day on 1st September 2023. At the Press conference on the eve of Foundation Day on 31.08.2022, Dr. N.G. Patil, Director of the Bureau informed that Hon'ble Dr. S.K. Chaudhari, Deputy Director General (NRM), ICAR, New Delhi will be the chief guest. Dr. Niteen V. Patil Vice-chancellor, MAFSU, Nagpur and Sh. Sandip Patil, DIG of Police, Gadchiroli will be the Guest of Honor. Dr Brahma Swarup Dwivedi, Member, Agricultural Scientists Recruitment Board, New Delhi will be present on this occasion as a special invitee.

Dr. N.G. Patil further elaborated that the over exploitation of the fragile land resources has led to the deterioration of the quality of soil and other land resources at a rapid rate, threatening the sustainability of the resource base. Therefore, the information on land resources becomes important for sustainable agriculture, protection of environment and safeguarding the vital natural resources. To address this issue, the Bureau was established in 1976 under the DARE/ICAR of Ministry of Agriculture & Farmer Welfare. The primary aim of the bureau is to undertake soil survey and mapping of the country to promote scientific and optimal agricultural land use programmes in collaboration with relevant institutions and agencies and to conduct and promote research in the National Agricultural Research System in the areas of Pedology, Soil survey, Remote sensing applications, Land degradation, Land evaluation and Land use planning, besides imparting training and education to create awareness on soil and land resources and their state of health. The Bureau has five Regional Centres located at Bangalore, Delhi, Jorhat, Kolkata and Udaipur for the five regions of the country to build the land resource inventories for the states under their jurisdiction. The Bureau is collecting and documenting the information on land resources of India for the last 45 years for the benefit of the developmental agencies of state departments, farmers and other user agencies.

Dr. N.G. Patil cited few examples like technical assistance in watershed development programme named 'Sujala' of the Karnataka Government that benefitted millions of farmers in raising agricultural productivity with sustainable management of soil and water resources. World Bank has adopted this development model and the state Governments of Arunachal Pradesh, Tripura, Odisha, Andhra Pradesh and Bihar and now it is advocating similar land resource inventory (LRI) work in other developing countries. This has prompted to generate LRI information for sustainable agricultural land use planning. He further elaborated that the soil data are also used for infrastructure development like power transmission, internet connectivity and laying rail tracks in the country. In Maharashtra, the Bureau is supporting technically and financially the State Government Programme named Nanaji Deshmukh Krishi Sanjivani Prakalp that aims to develop Climate resilience in 5000 villages.

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर मी डया मीट के लिए प्रेस नोट

ICAR-NBSS&LUP 01.09.2023 को अपना 47वां स्थापना दिवस मना रहा है

आईसीएआर- राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो, नागपुर 1 सितंबर 2023 को अपना 47वां स्थापना दिवस मना रहा है। 30.08.2022 को स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्यूरो निदेशक डॉ. एन. जी. पाटिल ने जानकारी दी। माननीय डॉ. एस.के. चौधरी, उप महानिदेशक (एनआरएम) आईसीएआर, नई दिल्ली मुख्य अतिथि होंगे। डॉ. नितिन वी. पाटिल क्लपति, माफसू, नागपुर और श्री. संदीप पाटिल, पलस उप महानिरीक्षक, गढ़ चरौली समारोह के सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर एएसआरबी, नई दिल्ली के सदस्य डॉ. ब्रह्मस्वरूप दुवैदी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित रहेंगे। डॉ. एन. जी. पाटिल ने जोर देकर कहा कि खासकर विकासशील देशों में बढ़ती आबादी के दबाव के कारण मट्टी, पानी और वनस्पति जैसे प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण और वनाश का खतरा है, नाजूक भूमि संसाधनों का अत्यधिक दोहन तेजी से मट्टी और अन्य भूमि संसाधनों की गुणवत्ता को खराब कर रहा है, जिससे संसाधन के स्वास्थ्य और आधार की स्थिरता को खतरा हो रहा है। इस लिए, टिकाऊ कृषि, पर्यावरण संरक्षण और आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए भूमि संसाधन की जानकारी महत्वपूर्ण है। इस मद्दे को हल करने के लिए, राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो (ICAR-NBSS&LUP) की स्थापना नागपुर में 1976 में कृषि मंत्रालय के DARE/ICAR के अधीन की गई थी। ब्यूरो का प्राथमिक उद्देश्य अन्य संबंधित संगठनों और एजेंसियों के सहयोग से वैज्ञानिक और इष्टतम कृषि भूमि उपयोग कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए देश का मृदा सर्वेक्षण और मृदा मानचित्रण करना है। ब्यूरो के बेंगलूर, दिल्ली, जोरहाट, कोलकाता और उदयपुर में पांच क्षेत्रीय केंद्र हैं और प्रत्येक केंद्र अपने अधिकार क्षेत्र के तहत राज्यों के लिए काम करता है। कसान राज्य कृषि विभागों और विकास एजेंसियों के लाभ के लिए पहले 46 वर्षों से भारत में भूमि संसाधनों पर जानकारी एकत्र और दस्तावेजीकरण कर रहे हैं।

डॉ. एन. जी. पाटिल ने कुछ उदाहरण दिए जैसे कि कर्नाटक सरकार के वाटरशेड विकास कार्यक्रम 'सूजला' द्वारा प्रदान की गई तकनीकी सहायता से मट्टी और जल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादकता बढ़ाने में लाखों किसानों को लाभ हुआ है। विश्व बैंक ने इस विकास मॉडल को अपनाया है और अब अन्य विकासशील देशों में भी इसी तरह के भूमि संसाधन सूची (एलआरआई) कार्य की वकालत कर रहा है। इसने अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और बिहार की राज्य सरकारों को टिकाऊ कृषि भूमि उपयोग योजना के लिए एलआरआई जानकारी उत्पन्न करने के लिए ब्यूरो के साथ सहयोग करने के लिए प्रेरित किया है। ब्यूरो का एक और सराहनीय योगदान 27 आकांक्षी जिलों के लिए व्यापक भूमि उपयोग योजनाओं का विकास था, जिसकी नीति आयोग द्वारा सराहना की गई यह अपने आप में एक विशेष उपलब्धि थी। उन्होंने आगे बताया कि मट्टी की जानकारी का उपयोग देश में बिजली ट्रांसमिशन, इंटरनेट कनेक्टिविटी, रेलवे ट्रैक बिछाने जैसे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भी किया जाता है।

ब्यूरो महाराष्ट्र में नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना नामक एक राज्य सरकार के कार्यक्रम का समर्थन कर रहा है, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के अनुकूल 5000 गांवों को तकनीकी सहायता प्रदान करना है।

स्थापना दिनाच्या पूर्वसंध्येला होणाऱ्या मी ड्या संमेलनासाठी प्रेस नोट

ICAR-NBSS&LUP 01.09.2023 रोजी त्यांचा 47 वा स्थापना दिवस साजरा करत आहे

ICAR- नॅशनल ब्युरो ऑफ सॉईल सर्व्हि अँड लँड यूज प्लॅनिंग, नागपूर 1 सप्टेंबर 2023 रोजी आपला 47 वा स्थापना दिवस साजरा करत आहे. 31.08.2022 रोजी स्थापना दिनाच्या पूर्वसंध्येला पत्रकार परिषदेदरम्यान, ब्युरोचे संचालक डॉ एन जी, पाटील यांनी माहिती दिली. माननीय डॉ एस के चौधरी, उपमहासंचालक (NRM) ICAR नवी दिल्ली हे प्रमुख पाहणे असतील. डॉ. नितीन व्ही. पाटील क्लगूरू, माफसू, नागपूर आ ण श्री. संदीप पाटील, उपमहानिरीक्षक, गड चरोली हे अतिथी म्हणून उपस्थित राहणार आहेत. यावेळी विशेष निमंत्रित म्हणून डॉ.ब्रह्मस्वरूप द ववेदी, सदस्य, ASRB, नवी दिल्ली उपस्थित राहणार आहेत .

डॉ एन. जी. पाटील यांनी पृढे स्पष्ट केले की, माती, पाणी आ ण वनस्पती यांसारख्या नैसर्गिक संसाधनांचा, विशेषतः वकसनशील देशांमध्ये वाढत्या लोकसंख्येच्या दबावामुळे ऱ्हास आ ण नाश होण्याचा धोका आहे. नाजूक जमीन संसाधनांच्या अतिशोषणामुळे माती आ ण इतर भूसंपत्तीची गुणवत्ता जलद गतीने खालावत चालली आहे, ज्यामुळे संसाधन आधाराची शाश्वतता धोक्यात आली आहे. त्यामुळे शाश्वत शेती, पर्यावरणाचे रक्षण आ ण अत्यावश्यक नैसर्गिक साधनसंपत्तीचे रक्षण करण्यासाठी जमीन संसाधनांची माहिती महत्त्वाची आहे. या समस्येचे निराकरण करण्यासाठी, कृषी आ ण शेतकरी मंत्रालयाच्या DARE/ICAR अंतर्गत पूर्वीच्या अ खल भारतीय माती आ ण जमीन वापर सर्वेक्षण संस्थेकडून (AIS&LUS), 1976 मध्ये राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आ ण जमीन वापर नियोजन ब्युरो (ICAR-NBSS&LUP) नागपूरची स्थापना करण्यात आली. कल्याण. संबं धित संस्था आ ण एजन्सी यांच्या सहकार्याने वैज्ञानिक आ ण इष्टतम कृषी जमीन वापर कार्यक्रमांना प्रोत्साहन देण्यासाठी माती सर्वेक्षण आ ण देशातील मातीचे मॅ पिंग करणे हे ब्युरोचे प्राथमिक उद्दिष्ट आहे. ब्युरोकडे त्यांच्या अखत्यारीतील राज्यांसाठी भूमी संसाधन यादी आयोजित करण्यासाठी देशातील पाच प्रदेशांसाठी बंगलोर, दिल्ली, जोरहाट, कोलकाता आ ण उदयपूर येथे पाच प्रादे शक केंद्रे आहेत .

ब्युरो राज्य वभाग, शेतकरी आ ण इतर वापरकर्ता एजन्सीच्या वकास संस्थांच्या फायद्यासाठी गेल्या 46 वर्षांपासून भारतातील भूसंपत्तीची माहिती संक लत आ ण दस्तऐवजीकरण करत आहे .

डॉ एन. जी. पाटील यांनी कर्नाटक सरकारच्या 'सूजला' नावाच्या पाणलोट वकास कार्यक्रमात तांत्रिक सहाय्य यांसारखी काही उदाहरणे दिली ज्याचा फायदा माती आ ण जलस्रोतांच्या शाश्वत व्यवस्थापनासह कृषी उत्पादकता वाढवण्यात लाखो शेतकऱ्यांना झाला. जागतिक बँकेने हे वकास मॉडेल स्वीकारले आहे आ ण आता ती इतर वकसनशील देशांमध्ये समान जमीन संसाधन सूची (LRI) कामाचा प्रस्कार करत आहे. यामुळे अरुणाचल प्रदेश, त्रिप्रा, ओ डशा, आंध्र प्रदेश आ ण बिहार या राज्य सरकारांना शाश्वत कृषी जमीन वापर नियोजनासाठी LRI माहिती निर्माण करण्यासाठी ब्युरोशी सहयोग करण्यास प्रवृत्त केले आहे. ब्युरोचे आणखी एक प्रशंसनीय योगदान म्हणजे 27 महत्त्वाकांक्षी जिल्ह्यांसाठी व्यापक भू-वापर योजनांचा वकास, ही काम गरी नीती आयोगाने कौतुकास्पद केली. त्यांनी पृढे स्पष्ट केले की, मातीचा डेटा देशातील वीज पारेषण, इंटरनेट कनेक्टिव्हिटी, रेल्वे ट्रॅक टाकणे यासारख्या पायाभूत सु वधांच्या वकासासाठी देखील वापरला जातो .

ब्युरो, महाराष्ट्रात नानाजी देशमुख कृषी संजीवनी प्रकल्प नावाच्या राज्य सरकारच्या कार्यक्रमाला सहाय्य करत आहे, ज्याचा उद्देश 5000 गावांमध्ये हवामान बदलास अनुकूल शेती करण्यासाठी तांत्रिक सहकार्य करीत आहे .



कृषी मंत्रालय



नागपूरच्या नॅशनल ब्युरो ऑफ सॉईल सर्वे अँड लँड युज प्लॅनिंग एनबीएसएसएलयुपी या संस्थेद्वारे नानाजी देशमुख कृषी संजीवन प्रकल्पाच्या अंतर्गत 17 जिल्ह्यातील 5,000 गावांमध्ये वातावरण

बदलास अनुकूल मृदा संशोधन - एनबीएसएसएलयुपीचे संचालक डॉ. नितीन पाटील यांची माहिती

एनबीएसएसएलयुपीचा 47 वा स्थापना दिवस 1 सप्टेंबर रोजी साजरा होणार

Posted On: 30 AUG 2023 7:47PM by PIB Mumbai

नागपूर, 30 ऑगस्ट 2023


भारतीय कृषी संशोधन परिषद आयसीएआर यांच्या अखत्यारित असणाऱ्या नागपूरच्या अमरावती रोड स्थित नॅशनल ब्युरो ऑफ सॉईल सर्वे अँड लँड युज प्लॅनिंग एनबीएसएसएलयुपी या संस्थेद्वारे महाराष्ट्रात नानाजी देशमुख कृषी संजीवन प्रकल्पाच्या अंतर्गत 17 जिल्ह्यातील 5,000 गावांमध्ये वातावरण बदलास अनुकूल मृदा संशोधन केले जात असून त्याप्रमाणे पीक लागवडीबाबत शेतकऱ्यांना मार्गदर्शन केले जात आहे. प्रधानमंत्री कृषी संचन योजनेअंतर्गत देखील झारखंड, बिहार, अंदमान सह अनेक राज्यांना कृषी वषयक मार्गदर्शक दिले जात आहे.



संस्थेने आधुनिक तंत्रज्ञानाचा वापर केला असून 'भूमी' या पोर्टल अंतर्गत शेतकऱ्यांना त्यांच्या शेतातील मातीचे रासायनिक त्याचप्रमाणे भौतिक परीक्षण देखील पाहणे शक्य होणार असल्याची माहिती एनबीएसएसएलयुपीचे संचालक डॉ. नितीन पाटील यांनी आज पत्रकार परिषदेमध्ये दिली. याप्रसंगी : दूरसंवेदन उपयोजन केंद्राचे वैज्ञानिक डॉ. जी. पी. ओवीरेड्डी मृदा संसाधन अभ्यास केंद्राचे वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रमोद तिवारी, डॉ. उमाकांत मोर्या, भूमी नियोजन वभागाचे वैज्ञानिक डॉ. एच बिस्वास प्रामुख्याने उपस्थित होते.




एनबीएसएसएलयुपी या संस्थेचा 47 वा स्थापना दिवस 1 सप्टेंबर रोजी साजरा होणार असून याप्रसंगी भारतीय कृषी संशोधन परिषदेचे उपमहासंचालक डॉ . एस के चौधरी, महाराष्ट्र पशुवैद्यकीय आ ण मत्स्य वज्ञान वद्यापीठ माफ्सूचे कुलगुरु डॉ . नितीन पाटील आ ण गड चरोली पोलीस उपमहानिरीक्षक संदीप पाटील प्रमुख अतिथी म्हणून उपस्थित राहणार आहेत.




ICAR-NBSS & LUP

47th Foundation Day Celebrations




INVITATION
(PHYSICAL-CUM-VIRTUAL)

Friday, the 1st September, 2023 at 11:00 AM
Venue: Dr. S.P. Raychaudhuri Auditorium

Join Online  **zoom**


<https://us06web.zoom.us/j/3267210150?pwd=SHVSEY2UEVoWDIRMEVDWxpDSFY1QT09>
Zoom ID : 326 721 0150 Passcode : 123456

CHIEF GUEST




Dr. S.K. Chaudhari
Deputy Director General (NRM)
ICAR, New Delhi

SPECIAL GUEST




Dr. B.S. Dwivedi
Member, ASRB
New Delhi

GUESTS OF HONOUR




Dr. Niteen V. Patil
Vice-Chancellor
MAFSU, Nagpur









Sh. Sandip Patil
Deputy Inspector General of Police
Gadchiroli Range

WITH BEST COMPLIMENTS



Dr. N.G. Patil
Director, ICAR-NBSS&LUP, Nagpur

एनबीएसएसएलयुपी ही संस्था गेल्या 46 वर्षापासून भारतातील भूसंपत्तीची माहिती संकलित करून असून त्याचे दस्तऐवजीकरण करत आहे. या संस्थेचे बंगळूरु, कोलकता, जोरहाट, नवी दिल्ली, उदयपूर येथे प्रादेशिक केंद्र असून या संस्थेचे मुख्यालय हे नागपुरात आहे.

आयसीएआर- एनबीएसएसचा स्थापना दिन १ सप्टेंबर रोजी

◆ नागपूर, ३० ऑगस्ट

राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आणि जमीन वापर नियोजन (आयसीएआर) नागपूरचा ४७ वा स्थापना दिवस १ सप्टेंबर रोजी साजरा करण्यात येणार असल्याची माहिती ब्युरोचे संचालक डॉ. एन. जी. पाटील यांनी बुधवारी पत्रपरिषदेत दिली. सकाळी अकरा वाजता या कार्यक्रमास सुरुवात होणार आहे.

कार्यक्रमाला आयसीएआर नवी दिल्लीचे उपमहासंचालक डॉ. एस. के. चौधरी, माफसूचे कुलगुरू डॉ. नितीन व्ही. पाटील, गडचिरोलीचे उपमहानिरीक्षक संदीप पाटील, विशेष निमंत्रित एएसआरबी, नवी दिल्लीचे सदस्य डॉ. ब्रह्मस्वरूप द्विवेदी आणि ब्युरोचे संचालक डॉ. एन. जी. पाटील उपस्थित राहणार आहेत.

पत्रपरिषदेत अधिक माहिती देताना डॉ. पाटील म्हणाले, आयसीएआरने पुरेसे मनुष्यबळ व रिसोर्सेस नसतानाही डिजिटल तंत्रज्ञानाचा वापर करीत चांगले कार्य केले. या कालावधीत विदर्भ व मराठवाड्यातील १३ जिल्ह्यांमधील जवळपास पाच हजार गावांपर्यंत पोहोचलो. या दरम्यान माती परीक्षण व जलवायूसंदर्भात उपयुक्त माहिती देऊन शेतकऱ्यांच्या आयुष्यात सकारात्मक बदल घडवून आणण्याचा प्रयत्न केला. ◀(तथा वृत्तसेवा)

NBSS & LUP to celebrate Foundation Day on Sept 1

■ Staff Reporter

THE ICAR National Bureau of Soil Survey and Land Use Planning (ICAR-NBSS&LUP), Nagpur is celebrating its 47th Foundation Day on September 1.

At a press conference ahead of the Foundation Day, Dr N G Patil, Director of the Bureau, informed that Dr S K Chaudhari, Deputy Director General (NRM), ICAR, New Delhi will be the chief guest. Dr Niteen V Patil, Vice-Chancellor-MAFSU, Nagpur and Sandip Patil, DIG of Police, Gadchiroli will be the guests of honour. Dr Brahma Swarup Dwivedi, Member, Agricultural Scientists Recruitment Board, New Delhi will be present on this occasion as a special invitee.

Dr Patil further elaborated that the over exploitation of the fragile land resources has led to the deterioration of the quality of soil and other land resources at a rapid rate, threatening the sustainability of the resource base. Therefore, the information on land resources becomes important for sustainable agriculture, protection of environment and safeguarding the vital natural resources. To address this issue, the Bureau was established in 1976 under the DARE/ICAR of



Dr N G Patil, Director, ICAR-National Bureau of Soil Survey and Land Use Planning, addressing media as the bureau celebrates its 47th Foundation Day on September 1.

Ministry of Agriculture & Farmer Welfare. The primary aim of the bureau is to undertake soil survey and mapping of the country to promote scientific and optimal agricultural land use programmes in collaboration with relevant institutions and agencies and to conduct and promote research in the National Agricultural Research System in the areas of pedology, soil survey, remote sensing applications, land degradation, land evaluation and land use planning, besides imparting training and education to create awareness on soil and land resources and their state of health.

The Bureau has five Regional Centres located at Bangalore, Delhi, Jorhat, Kolkata and Udaipur for the five regions of the country to build the land resource inventories for the states under their jurisdiction. The Bureau is collecting and documenting the information on land resources of India for the last 45 years for the benefit of the developmental agencies of state departments, farmers and other user agencies.

Dr H Biswas, Dr GP Obi Reddy, Dr Pramod Tiwari, Dr MS Raghuvanshi, Dr UK Maurya and Dr Shekhar Nimkhedkar were present during the press conference.

पाच हजार गावांमध्ये वातावरण बदलास अनुकूल मृदा संशोधन



■ 'एनबीएसएसएलयूपी' चे संचालक डॉ. नितीन पाटील यांची माहिती

नागपूर : नागपूरच्या नॅशनल ब्युरो ऑफ सॉइल सर्व्हे अॅण्ड लॅण्ड युज प्लॅनिंग (एनबीएसएसएलयूपी) या संस्थेद्वारे नानाजी देशमुख कृषी संजीवन प्रकल्पाच्या अंतर्गत १७ जिल्ह्यांतील पाच हजार गावांमध्ये वातावरण बदलास अनुकूल मृदा संशोधन केले जात असल्याची माहिती 'एनबीएसएसएलयूपी'चे संचालक डॉ. नितीन पाटील यांनी दिली. यातून पीक लागवडीसंदर्भात शेतकऱ्यांना मार्गदर्शन केले जात असल्याचे त्यांनी नमूद केले.

नागपूरच्या अमरावती मार्गावरील 'एनबीएसएसएलयूपी' ही संस्था भारतीय कृषी संशोधन परिषद 'आयसीएआर' यांच्या अखत्यारीत आहे. संस्थेद्वारे प्रधानमंत्री कृषी सिंचन योजनेंतर्गतदेखील झारखंड, बिहार, अंदमानसह अनेक राज्यांना कृषिविषयक मार्गदर्शक

दिले जात आहे. संस्थेने आधुनिक तंत्रज्ञानाचा वापर करून 'भूमी' पोर्टल सुरू केले आहे. यातून शेतकऱ्यांना त्यांच्या शेतातील मातीचे रासायनिक, त्याचप्रमाणे भौतिक परीक्षण करणे शक्य होणार असल्याची माहिती डॉ. नितीन पाटील यांनी पत्रकार परिषदेत दिली. यावेळी दूरसंवेदन उपयोजन केंद्राचे वैज्ञानिक डॉ. जी. पी. ओवीरेड्डी, मृदा संसाधन अभ्यास केंद्राचे वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रमोद तिवारी, डॉ. उमाकांत मोर्या व भूमी नियोजन विभागाचे वैज्ञानिक डॉ. एच. बिस्वास उपस्थित होते. संस्थेचा ४७ वा स्थापना दिन १ सप्टेंबर रोजी आयोजित करण्यात आला आहे. याप्रसंगी भारतीय कृषी संशोधन परिषदेचे उपमहासंचालक डॉ. एस. के. चौधरी, महाराष्ट्र पशुवैद्यकीय आणि मत्स्य विज्ञान विद्यापीठ मापसूचे कुलगुरू डॉ. नितीन पाटील आणि गडचिरोली पोलीस उपमहानिरीक्षक संदीप पाटील प्रमुख अतिथी म्हणून उपस्थित राहणार आहेत.

संशोधन संस्थेच्या योजना, धोरणे तळागाळात पोहोचवा : डॉ. एस. के. चौधरी

■ 'आयसीएआर' स्थापना दिवस उत्साहात

नागपूर : देशात संशोधनाची अग्रगण्य संस्था म्हणून पुढे येण्यासाठी संस्थेच्या कर्मचाऱ्यांची मानसिकता सकारात्मक असावी आणि संस्थेच्या योजना आणि धोरणे तळागाळात पोहोचावी यासाठी शास्त्रज्ञांनी प्रयत्नशील असावे, असे मत भारतीय कृषी अनुसंधान परिषदेच्या नैसर्गिक संसाधन व्यवस्थापनाचे उपमहासंचालक डॉ. एस. के. चौधरी यांनी व्यक्त केले. राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आणि जमीन वापर नियोजन (आयसीएआर) नागपूरचा ४७ वा स्थापना दिवस कार्यक्रमात ते बोलत होते.

प्रमुख अतिथी म्हणून महाराष्ट्र पशुवैद्यकीय आणि मत्स्य विज्ञान विद्यापीठाचे कुलगुरू डॉ. नितीन पाटील, गडचिरोलीचे पोलीस उपमहानिरीक्षक संदीप पाटील आणि विशेष अतिथी म्हणून कृषी वैज्ञानिक निवड मंडळचे सदस्य डॉ. बी.एस. द्विवेदी उपस्थित होते.



गडचिरोली जिल्ह्यात खाणकाम सुरू असून सीएसआर फंडाचा तेथे वापर होत आहे. राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आणि भूमी संयोजन संस्थेमार्फत गडचिरोली मातीच्या गुणवत्तेबद्दल काही योजना व धोरणे असतील, तर त्याला गडचिरोली पोलीस दलाचे सहकार्य राहिल, असे मत संदीप पाटील यांनी व्यक्त केले. डॉ.बी.एस. द्विवेदी यांनी शेतकऱ्यांसाठी माती संसाधनांचा अधिक चांगला वापर करण्यासाठी एकत्रित मृदा माहिती प्रणालीबद्दल माहिती दिली. ब्युरोचे संचालक डॉ. एन. जी. पाटील यांनी डिजिटल सॉइल मॅपिंग हे तंत्रज्ञान वापरून कमी वेळेत शेतकऱ्यांना शेतीसाठी सुपीक मातीची अद्ययावत माहिती उपलब्ध करून देण्यासाठी संस्था

तत्पर आहे. नॅशनल सॉइल ग्रीड स्थापन करण्यासाठी आणि देशातील मातीची माहिती एकाच ठिकाणी उपलब्ध करून देण्यासाठीही प्रयत्न सुरू आहे, असे सांगून भूमी जिओपोर्टलचा विकास, भारतीय राष्ट्रीय मृदा अभिलेखागार आणि राष्ट्रीयस्तरावर मातीच्या वर्णपट हस्ताक्षर ग्रंथालयाचा विकास या प्रकल्पांवरही प्रकाश टाकला. याप्रसंगी राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आणि जमीन वापर नियोजनच्या (आयसीएआर) अहवालाचे प्रकाशन आणि गुणवंत शास्त्रज्ञ आणि कर्मचाऱ्यांना सन्मानित करण्यात आले. याप्रसंगी संस्थेचे अधिकारी, शास्त्रज्ञ, संशोधक विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित होते. आभार डॉ.डी.वासू यांनी मानले.

TWITTER



[आकाशवाणी बातम्या नागपूर](#)

[@airnews_nagpur](#)

देशात संशोधनाची अग्रगण्य संस्था म्हणून पुढे येण्यासाठी संस्थेच्या कर्मचाऱ्यांची मान सक्ता ही सकारात्मक असली पाहिजे, संस्थेच्या योजना आण धोरणे तळागाळात पोहचवावी यासाठी प्रतत्नशील असावे असे आवाहन

[@icarindia](#)

च्या नैसर्गिक संसाधन व्यवस्थापनाचे उपमहासंचालक [#डॉ एस के चौधरी](#) यांनी केलं.

[Translate post](#)



[icar-nbsslup](#)

8:06 PM · Sep 1, 2023

सकारात्मक हो कर्मियों की मानसिकता

राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग संस्थान की 47वीं वर्षगांठ समारोह में डॉ. एस.के. चौधरी ने रखी बात

लोकमत समाचार सेवा

नागपुर : देश में अनुसंधान की एक अग्रणी संस्थान के रूप में आगे आने के लिए सभी कर्मचारियों की मानसिकता सकारात्मक और वैज्ञानिकों को मेहनती होना चाहिए ताकि संस्थान की योजनाएं और नीतियां जमीनी स्तर तक पहुंचें और आम लोगों को इसका लाभ हो.

यह बातें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के स



दीप प्रज्ज्वलन करते डॉ. चौधरी, डॉ. पाटील व अन्य अतिथि.

महानिदेशक डॉ. एस.के. चौधरी ने कही. वे नागपुर के अमरावती रोड स्थित नेशनल ग्रोड ऑफ

सॉइल सर्वे एंड लैंड यूज प्लानिंग- एनबीएसएलएलयूपी-राष्ट्रीय

मृदा सर्वेक्षण और भूमि संयोजन संस्था की 47वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे.

इस अवसर पर महाराष्ट्र पशुचिकित्सा एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय एमएफएसयू के कुलपति डॉ. नितिन पाटील, गडचिरोली के पुलिस उप महानिरीक्षक संदीप पाटील, कृषि वैज्ञानिक चयन बोर्ड के सदस्य डॉ. वी.एस. द्विवेदी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल थे.

पुलिस बल का भी मिलेगा सहयोग

गडचिरोली के पुलिस उप महानिरीक्षक संदीप पाटील ने कहा कि गडचिरोली में फिलहाल खनन चल रहा है. यहाँ सीएसआर फंड का उपयोग किया जा रहा है. यदि राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि समन्वय संस्थान के माध्यम से गडचिरोली की मिट्टी की गुणवत्ता के संबंध में कोई योजना नीतियां होती हैं तो गडचिरोली पुलिस बल इसमें सहयोग करेगा. डॉ. वी.एस. द्विवेदी ने किसानों के लिए मृदा संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए एकीकृत मृदा सूचना प्रणाली पर जोर दिया. भव्यवाट ज्ञान डॉ. वी.एस. द्विवेदी

किसानों को मिलेगी उपजाऊ मिट्टी की जानकारी

एनबीएसएलएलयूपी नागपुर के संचालक डॉ. एन.जी. पाटील ने कहा कि संस्था डिजिटल सर्वोडल मैपिंग तकनीक का उपयोग करके किसान कम समय में कृषि के लिए उपजाऊ मिट्टी के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार है. नेशनल सर्वोडल ग्रिड की स्थापना करने का प्रयास किया जा रहा है. देश में मिट्टी की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने का भी प्रयास किया जा रहा है.

Apna Nagpur
Page No. 5 Sep 02, 2023
Powered by: erelego.com



डिजिटल साईल मैपिंग शेतीसाठी वरदान

डॉ. नितीन पाटील : राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आणि भूमी संयोजन संस्थेचा वर्धापनदिन

नागपुर, ता. १ : डिजिटल साईल मैपिंग हे तंत्रज्ञान वापरून कमी वेळात शेतकऱ्यांना शेतीसाठी सुपीक मातीची अद्यावत माहिती उपलब्ध करून देण्यासाठी संस्था तत्पर आहे. नॅशनल साईल ग्रोड स्थापन करण्यासाठी प्रयत्न सुरू आहे, अशी माहिती महाराष्ट्र पशुवैद्यकीय आणि मत्स्य विज्ञान विद्यापीठ मापसूचे कुलगुरू डॉ. नितीन पाटील यांनी येथे दिली.

अमरावती रोड स्थित नॅशनल ब्युरो ऑफ साईल सर्वे अँड लँड यूज प्लॅनिंग-एनबीएसएलएलयूपी- राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आणि भूमी संयोजन

या संस्थेच्या ४७ व्या वर्धापन दिनानिमित्त आयोजित कार्यक्रमात ते बोलत होते. यावेळी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदेच्या नैसर्गिक संसाधन व्यवस्थापनाचे उपमहासंचालक डॉ. एस.के. चौधरी, गडचिरोली पोलीस उपमहानिरीक्षक संदीप पाटील, कृषी वैज्ञानिक निवड मंडळाचे सदस्य डॉ. वी.एस.द्विवेदी उपस्थित होते. पाटील म्हणाले, नॅशनल साईल ग्रोड स्थापन करण्यासाठी प्रयत्न सुरू आहे. देशातील मातीची माहिती एकाच ठिकाणी उपलब्ध करून देण्यासाठीही प्रयत्न सुरू आहे. यावेळी त्यांनी भूमी

जिओपोर्टलचा विकास, भारतीय राष्ट्रीय मृदा अभिलेखागार आणि राष्ट्रीय स्तरावर मातीच्या वर्णपट हस्ताक्षर ग्रंथालयाचा विकास या प्रकल्पांवरही प्रकाश टाकला. देशात संशोधनाची अग्रगण्य संस्था म्हणून पुढे येण्यासाठी संस्थेच्या कर्मचाऱ्यांची मानसिकता ही सकारात्मक असली पाहिजे तसेच संस्थेच्या योजना आणि धोरणे तळागाळात पोहचवावी यासाठी शास्त्रज्ञांनी प्रयत्नशील असावे असे आवाहन डॉ. एस.के. चौधरी यांनी सांगितले.

राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आणि भूमी संयोजन संस्थेमार्फत गडचिरोली



नागपुर : दीपप्रज्वलन करून वर्धापन दिनाच्या कार्यक्रमाचे उद्घाटन करताना डॉ. नितीन पाटील, डॉ. एस.के. चौधरी, संदीप पाटील.

मातीच्या गुणवत्तेबद्दल काही योजना धोरणे असतील तर त्याला गडचिरोली पोलीस दलाचे सहकार्य राहिल,

असे गडचिरोली परीक्षेत्राचे पोलीस उपमहानिरीक्षक संदीप पाटील यांनी सांगितले.

संशोधन संस्थेच्या योजना, धोरणे तळागाळात पोहोचवा : डॉ. एस. के. चौधरी

■ 'आयसीएआर' स्थापना दिवस उत्साहात

नागपूर : देशात संशोधनाची अग्रगण्य संस्था म्हणून पुढे येण्यासाठी संस्थेच्या कर्मचाऱ्यांची मानसिकता सकारात्मक असावी आणि संस्थेच्या योजना आणि धोरणे तळागाळात पोहोचावी यासाठी शास्त्रज्ञांनी प्रयत्नशील असावे, असे मत भारतीय कृषी अनुसंधान परिषदेच्या नैसर्गिक संसाधन व्यवस्थापनाचे उपमहासंचालक डॉ. एस. के. चौधरी यांनी व्यक्त केले. राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आणि जमीन वापर नियोजन (आयसीएआर) नागपूरचा ४७ वा स्थापना दिवस कार्यक्रमात ते बोलत होते.

प्रमुख अतिथी म्हणून महाराष्ट्र पशुवैद्यकीय आणि मत्स्य विज्ञान विद्यापीठाचे कुलगुरू डॉ. नितीन पाटील, गडचिरोलीचे पोलीस उपमहानिरीक्षक संदीप पाटील आणि विशेष अतिथी म्हणून कृषी वैज्ञानिक निवड मंडळाचे सदस्य डॉ. बी.एस. द्विवेदी उपस्थित होते.



गडचिरोली जिल्ह्यात खाणकाम सुरू असून सीएसआर फंडाचा तेथे वापर होत आहे. राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आणि भूमी संयोजन संस्थेमार्फत गडचिरोली मातीच्या गुणवत्तेबद्दल काही योजना व धोरणे असतील, तर त्याला गडचिरोली पोलीस दलाचे सहकार्य राहिल, असे मत संदीप पाटील यांनी व्यक्त केले. डॉ.बी.एस. द्विवेदी यांनी शेतकऱ्यांसाठी माती संसाधनांचा अधिक चांगला वापर करण्यासाठी एकत्रित मृदा माहिती प्रणालीबद्दल माहिती दिली. ब्युरोचे संचालक डॉ. एन. जी. पाटील यांनी डिजिटल सॉइल मॅपिंग हे तंत्रज्ञान वापरून कमी वेळेत शेतकऱ्यांना शेतीसाठी सुपीक मातीची अद्ययावत माहिती उपलब्ध करून देण्यासाठी संस्था

तत्पर आहे. नॅशनल सॉइल ग्रीड स्थापन करण्यासाठी आणि देशातील मातीची माहिती एकाच ठिकाणी उपलब्ध करून देण्यासाठीही प्रयत्न सुरू आहे, असे सांगून भूमी जिओपोर्टलचा विकास, भारतीय राष्ट्रीय मृदा अभिलेखागार आणि राष्ट्रीयस्तरावर मातीच्या वर्णपट हस्ताक्षर ग्रंथालयाचा विकास या प्रकल्पांवरही प्रकाश टाकला. याप्रसंगी राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आणि जमीन वापर नियोजनच्या (आयसीएआर) अहवालाचे प्रकाशन आणि गुणवंत शास्त्रज्ञ आणि कर्मचाऱ्यांना सन्मानित करण्यात आले. याप्रसंगी संस्थेचे अधिकारी, शास्त्रज्ञ, संशोधक विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित होते. आभार डॉ.डी.वासू यांनी मानले.

नवभारत

राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण दिवस मनाया

■ नागपुर, व्यापार प्रतिनिधि. देश में संशोधन की अग्रणी संस्था के रूप में पहचान बनाने के बाद आगे भी संस्था के कर्मचारियों की मानसिकता सकारात्मक रहनी चाहिए, और संस्था की योजना और नीति को समाज के आखिरी हिस्से तक पहुंचाने के लिए वैज्ञानिक प्रयास जारी रखने का आह्वान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के नैसर्गिक संसाधन व्यवस्थापन के उपमहासंचालक डॉ. एस.के. चौधरी ने किया. वे नेशनल ब्यूरो ऑफ सॉइल सर्वे एंड लैंड यूज प्लानिंग (एनबीएसएसएलयूपी) राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि संयोजन के 47 वे वर्धापन दिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे. इस अवसर पर महाराष्ट्र पशुवैद्यकीय और मत्स्य विज्ञान विद्यापीठ माफसू के कुलगुरु डॉ. नितिन पाटिल, गडचिरोली पुलिस उपमहानिरीक्षक संदीप पाटिल, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के सदस्य डॉ. बी.एस.द्विवेदी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे.

डिजिटल सॉइल मैपिंग का करे उपयोग : एनबीएसएसएलयूपी नागपुर के संचालक डॉ. एन.जी. पाटिल ने बताया कि डिजिटल सॉइल मैपिंग इस टेक्नोलॉजी का उपयोग कर कम समय में किसानों को उपजाऊ जमीन के बारे में जानकारी दे सकते हैं. नेशनल सॉइल मिट्टी संशोधन करने की कोशिश भी की



जा रही है. जिससे देश की मिट्टी के बारे में जानकारी एक ही जगह पर मिलेगी. इस अवसर पर भूमि जियोपोर्टल के विकास, भारतीय राष्ट्रीय मृदा अभिलेखागार और राष्ट्रीय स्तर पर मिट्टी का वर्णपट हस्ताक्षर ग्रंथालय का विकास प्रकल्पों पर भी प्रकाश डाला. गडचिरोली में इस समय खुदाई का कार्य शुरू है. सीएसआर फंड का वहां उपयोग राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि संयोजन संस्था के जरिए गडचिरोली की मिट्टी के गुणवत्ता के बारे में कुछ योजना और नीति होगी तो उसे गडचिरोली पुलिस दल का सहयोग मिलेगा. गडचिरोली परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक संदीप पाटिल ने यह जानकारी दी. डॉ.बी.एस.द्विवेदी ने भी अपने विचार रखे. डॉ. डी. बामर ने आभार माना

Nagpur Edition

04-september-2023 Page No. 4

epaper.enavabharat.com

[आकाशवाणी बातम्या नागपूर](#)

[@airnews nagpur](#)

ICAR यांच्या अखत्यारित नागपूरच्या अमरावती रोड स्थित नॅशनल ब्युरो ऑफ सॉईल सर्वे अँड लँड युज प्लॅनिंग (ICAR-NBSS&LUP) या संस्थे द्वारे महाराष्ट्रात नानाजी देशमुख कृषी संजीवन प्रकल्पाच्या अंतर्गत 17 जिल्ह्यातील 5000 गावांमध्ये वातावरण बदलास अनुकूल मृदा संशोधन केले जात आहे.



[6:00 PM · Aug 30, 2023](#)

HOME CRIME POLITICAL

राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आ ण भूमी उपयोजन संस्थेचा 47 वा वर्धापन दिन साजरा
By Amit Wankhade HAPPENING TODAY सतंबर 01, 2023

संशोधन संस्थेच्या योजना आ ण धोरणे तळागाळात पोहचावी यासाठी शास्त्रज्ञांनी प्रतत्नशील असावे - भारतीय कृषी अनुसंधान परिषदेच्या नैसर्गिक संसाधन व्यवस्थापनाचे उपमहासंचालक डॉ. एस.के. चौधरी यांचे प्रतिपादन

राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आ ण भूमी उपयोजन संस्थेचा 47 वा वर्धापन दिन साजरा

नागपूर 1 सप्टेंबर 2023 : देशात संशोधनाची अग्रगण्य संस्था म्हणून पुढे येण्यासाठी संस्थेच्या कर्मचाऱ्यांची मानसकता ही सकारात्मक असली पाहिजे तसेच संस्थेच्या योजना आ ण धोरणे तळागाळात पोहचावी यासाठी शास्त्रज्ञांनी प्रतत्नशील असावे असे आवाहन भारतीय कृषी अनुसंधान परिषदेच्या नैसर्गिक संसाधन व्यवस्थापनाचे उपमहासंचालक डॉ. एस.के. चौधरी यांनी आज नागपूरच्या अमरावती रोड स्थित नॅशनल ब्युअरो ऑफ ऑफ सॉईल सर्वे अँड लँड युज प्लॅनिंग - एनबीएसएसएलयुपी- राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आ ण भूमी संयोजन या संस्थेच्या 47 व्या वर्धापन दिनानिमत आयोजित कार्यक्रमात केले. याप्रसंगी महाराष्ट्र पशुवैद्यकीय आ ण मत्स्य वज्ञान वद्यापीठ माफसूचे कुलगुरू डॉ. नितीन पाटील, गडचरोली पोलीस उपमहानिरीक्षक संदीप पाटील, कृषी वैज्ञानिक निवड मंडळाचे सदस्य डॉ. बी.एस. दववेदी व शेष अतिथी म्हणून उपस्थित होते.

एनबीएसएसएलयुपी नागपूरचे संचालक डॉ. एन.जी. पाटील यांनी यावेळी सांगतले की, डिजिटल सॉईल मॅपिंग हे तंत्रज्ञान वापरून कमी वेळात शेतकऱ्यांना शेतीसाठी सुपीक मातीची अद्यावत माहिती उपलब्ध करून देण्यासाठी संस्था तत्पर आहे. नॅशनल सॉईल गॅड स्थापन करण्यासाठी प्रयत्न सुरू असून देशातील मातीची माहिती एकाच ठिकाणी उपलब्ध करून देण्यासाठीही प्रयत्न सुरू आहे. यावेळी त्यांनी भूमी जिओपोर्टलचा विकास, भारतीय राष्ट्रीय मृदा अभलेखागार आ ण राष्ट्रीय स्तरावर मातीच्या वर्णपट हस्ताक्षर ग्रंथालयाचा विकास या प्रकल्पांवरही प्रकाश टाकला. गडचरोली मध्ये सध्या खाणकाम सुरू असून सीएसआर फंडाचा तेथे वापर होत आहे. राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण आ ण भूमी संयोजन संस्थेमार्फत गडचरोली मातीच्या गुणवत्तेबद्दल काही योजना धोरणे असतील तर त्याला गडचरोली पोलीस दलाचे सहकार्य राहिले असे गडचरोली परिक्षेत्राचे पोलीस उपमहानिरीक्षक संदीप पाटील यांनी सांगितले. डॉ.बी.एस. दववेदी यांनी शेतकऱ्यांसाठी माती संसाधनांचा अधिक चांगला वापर करण्यासाठी एकत्रित मृदा माहिती प्रणालीवर भर दिला.

एनबीएसएसएलयुपीच्या अहवालाचे प्रकाशन आ ण गुणवंत शास्त्रज्ञ आ ण कर्मचाऱ्यांना पुरस्कार यासह व वध कार्यक्रमांचे आयोजन याप्रसंगी करण्यात आले. डॉ.डी.वासू यांनी आभार प्रदर्शन केले. या कार्यक्रमाला एनबीएसएसएलयुपी संस्थेचे अधिकारी, शास्त्रज्ञ, संशोधक वद्याथी, कर्मचारी उपस्थित होते.

Links for media coverage

https://twitter.com/airnews_nagpur/status/1696862906837770628?t=q9jdvbBn_XF_xrV6RC-IdA&s=08

<https://youtu.be/5f1G1EQgSTs?si=uV6f3DY4UGbF5MVh>
https://twitter.com/airnews_nagpur/status/1697619482259451945?t=jJNJalzdxBpnD8Zua-4eeA&s=08

<https://happtoday.blogspot.com/2023/09/47.html>
<https://youtu.be/5f1G1EQgSTs?si=uV6f3DY4UGbF5MVh>

47th Foundation Day celebrations of ICAR-NBSS&LUP, Nagpur on 1st September 2023

47th Foundation Day of ICAR-NBSS&LUP, Nagpur was celebrated on 1st September 2023 with a gracious presence of Dr S K Chaudhari, Deputy Director General (NRM), ICAR, New Delhi as a chief guest. Dr. Niteen V. Patil Vice-chancellor, MAFSU, Nagpur and Sh. Sandip Patil, DIG of Police, Gadchiraoli as a guest of honour and Dr B. S. Dwivedi, Member, ASRB, New Delhi as a special invitee. Dr. N.G. Patil, Director, NBSS&LUP highlighted the Bureau's achievements during the year to the dignitaries, guests, press and media. Different programmes were organized during this period which includes the release of Bureau's publications and awards to meritorious scientists and staff. Glimpses of the programme are attached herewith for your kind reference.



भाकृअनुप- राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर में 1 सितंबर 2023 को 47वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस के चौधरी, उप महानिदेशक (एनआरएम), आईसीएआर, नई दिल्ली उपस्थित थे। डॉ. नितिन वी. पाटिल, कूलपति, एमएफएसयू, नागपुर और श्री. संदीप पाटिल, पुलिस उपमहानिरीक्षक, गढ़ चरौली सम्मानित अतिथि के रूप में और डॉ. बी.एस. द्विवेदी, सदस्य, एएसआरबी, नई दिल्ली विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. एन.जी. पाटिल, निदेशक, एनबीएसएस एंड एल्यूपी ने गणमान्य व्यक्तियों, मेहमानों, प्रेस और मीडिया के सामने वर्ष के दौरान ब्यूरो की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवधि के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें ब्यूरो के प्रकाशनों का प्रमोशन और मेधावी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों का पुरस्कार शामिल हैं।



47th Foundation Day celebrations of ICAR-NBSS&LUP, Nagpur on 1st September 2023

47th Foundation Day of ICAR-NBSS&LUP, Nagpur was celebrated on 1st September 2023 with a gracious presence of Dr S K Chaudhari, Deputy Director General (NRM), ICAR, New Delhi as a Chief Guest. Dr. Niteen V. Patil, Vice-chancellor, MAFSU, Nagpur and Sh. Sandip Patil, DIG of Police, Gadchiraoli Range as a Guest of Honour and Dr B.S. Dwivedi, Member, ASRB, New Delhi as a Special Guest. Different programmes were organized on the day including the release of Bureau's publications and awards to meritorious scientists and staff.

The programme started with lighting of a lamp by the dignitaries. In his welcome speech, Dr. N.G. Patil, Director, NBSS&LUP highlighted the Bureau's achievements during the last 12 months. He highlighted milestones of the Bureau which includes the digital soil mapping, development of national soil grid geoportal, unified soil information system, development of BHOOMI Geoportal, Indian national soil archives and development of spectral signature library of soils at national level. He also highlighted important ongoing projects like REWARD in Karnataka and Odisha as well as PoCRA in Maharashtra.

Dr. S.K. Chaudhuri laid emphasis on use of modern technologies and geo-spatial tools for faster acquisition of soil information and desired to interact closely with state government agencies and related institutes of ICAR for quicker response to the farmers needs. He also advised the Bureau scientists to overcome resource crunch and constraints through innovative thinking and implementation of novel ideas for better soil productivity.

Dr. B.S. Dwivedi, highlighted on fixing the priorities and need to involve the policy makers for greater visibility of the institute. He stressed on unified information soil system for better utilization of soil resources for farmers and highlighted the revision of existing Standard Operating Protocol by befitting Digital Soil Mapping (DSM). He stressed more on collaboration with the different institutes.

Dr. Niteen Patil highlighted the importance of the institute on national and international level and stressed to develop soil-plant-animal health relationship. Sh. Sandip Patil, stressed on application of soil and crop productivity using different technological interventions. He stressed on enhancing the energy level using meditation and Yoga for more productivity of the staff for development of the institute.

Programme was concluded with the vote of thanks by Dr. D. Vasu.



Media coverage in ICAR Website

भाकृअनुप- राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर ने अपना 47वां स्थापना दिवस समारोह मनाया

1 सतंबर 2023, नागपुर

भाकृअनुप- राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर ने अपना 47वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस के चौधरी, उप महानिदेशक (एनआरएम), आईसीएआर, नई दिल्ली उपस्थित थे। डॉ. नितिन वी. पाटिल, कूलपति, एमएएफएसयू, नागपुर और श्री. संदीप पाटिल, प्लस उपमहानिरीक्षक, गढ़ चरौली सम्मानित अतिथि के रूप में और डॉ. बी.एस. दववेदी, सदस्य, एसआरबी, नई दिल्ली विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।



डॉ. एन.जी. पाटिल, निदेशक, एनबीएसएस एंड एल्यूपी ने गणमान्य व्यक्तियों, मेहमानों, प्रेस और मीडिया के सामने वर्ष के दौरान ब्यूरो की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवधि के दौरान व भन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें ब्यूरो के प्रकाशनों का वमोचन और मेधावी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों का पुरस्कार शामिल हैं।

(भाकृअनुप- राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर)

47th Foundation Day celebrations of ICAR-NBSS & LUP

1st September 2023, Nagpur

ICAR-National Bureau of Soil Survey & Land Use Planning, Nagpur, celebrated its 47th Foundation Day today.



Dr. S K Chaudhari, Deputy Director General (NRM), of the ICAR, New Delhi, was invited as the Chief guest.

Dr. Niteen V. Patil, Vice-Chancellor, MAFSU, Nagpur, and Shri. Sandip Patil, DIG of Police, Gadchiraoli were the Guest of honour.

Dr. B. S. Dwivedi, Member, ASRB, New Delhi was the special invitee.

Dr. N.G. Patil, Director, NBSS & LUP highlighted the Bureau's achievements during the year.

(Source: ICAR-National Bureau of Soil Survey & Land Use Planning, Nagpur)